15 OCT 11 2026.qxd 14-10-2026 23:20 Page 1

बॉलीवुड के बड़े सितारे भी बने डिजिटल स्कैम का शिकार

शोहरत भी नहीं बचा सकी डिजिटल स्कैम

मुंबई, फिल्मों और वेब सीरीज में दिखाए गए स्कैम दर्शकों को हमेशा से आकर्षित करते रहे हैं। जामतारा- सबका नंबर आएगा में फोन के जरिए होने वाली ठगी से लेकर स्कैम 1992- द हर्षद मेहता स्टोरी में बड़े वित्तीय घोटाले की कहानी तक, मनोरंजन जगत ने धोखाधड़ी के कई रूप पर्दे पर दिखाए हैं। लेकिन, जब ऐसी घटनाएँ असल जिंदगी में बॉलीवुड सितारों और लोकप्रिय चेहरों के साथ होती हैं, तो यह कहानी सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि एक गंभीर चेतावनी बन जाती है। हाल ही में अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने अपने क्रेडिट कार्ड से 2.43 लाख रुपए के कथित अनधिकृत अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन का मामला साझा किया। इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि फिल्म स्क्रीनिंग के दौरान उन्हें अपने कार्ड से डॉलर में भुगतान होने का नोटिफिकेशन मिला। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल दौर में मोबाइल पर हमारी जिंदगी से जुड़ी लगभग हर जानकारी मौजूद है और ऐसे में धोखाधड़ी को पहचानना आसान नहीं है। कंटेंट क्रिएटर अंकुश बहुगुणा ने जनवरी 2025 में डिजिटल अरेस्ट स्कैम का अपना अनुभव साझा किया था। उनके मुताबिक, ठगों ने उन्हें करीब 40 घंटे तक मानसिक दबाव में रखा। इस घटना ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के मानसिक और आर्थिक प्रभाव को सामने रखा। टेलीविजन कलाकार पूजा बनर्जी और कुणाल वर्मा ने भी एक वित्तीय धोखाधड़ी में अपनी बचत गंवाने की बात कही थी। टीवी अभिनेता राहुल सिंह तोमर ने कथित तौर पर एक अनजान व्यक्ति के फोन कॉल के बाद 85,000 रुपए गंवाने की जानकारी दी थी। जामतारा, स्कैम 1992 और स्कैम 2003- द टेल्गी स्टोरी जैसी सीरीज ने धोखाधड़ी की अलग-अलग कहानियों को दर्शकों तक पहुँचाया है। लेकिन, असल जिंदगी में ठगी किसी स्क्रिप्ट के मुताबिक नहीं होती। अक्टूबर को साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। ऐसे में, मनोरंजन जगत से सामने आए ये मामले याद दिलाते हैं कि डिजिटल धोखाधड़ी किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है। शोहरत और पहचान के बावजूद कोई भी व्यक्ति इसका शिकार बन सकता है।



गिन्नी वेड्स सनी 2 का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर



जब बिल्कुल अलग स्वभाव के दो लोग शादी के बंधन में बंध जाते हैं, तो हँसी, उलझनों और सरप्राइज़ से भरा सफर तय मानिए। प्यार, झूठ और सेकंड चांस से सजी इस दिल छू लेने वाली कॉमेडी का आनंद लीजिए 'गिन्नी वेड्स सनी 2 के वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर में, 16 अक्टूबर को शाम 7.30 बजे, सिर्फ एंड पिक्चर्स पर। प्रशांत झा द्वारा निर्देशित इस रोमांटिक कॉमेडी में अविनाश तिवारी 'सनी' की भूमिका में नज़र आएँगे, जो एक छोटे शहर का पहलवान है और अपने लिए दुल्हन ढूँढने में संघर्ष कर रहा है। वहीं, मेधा शंकर ने 'गिन्नी' का किरदार निभाया है, जो दिल्ली की एक बेफिक्र और ज़िदिदिल लड़की है, जिसकी आज़ाद सोच उसके परिवार की चिंता का कारण बनती है। रिश्ता तय करने के लिए दोनों अपनी सच्चाई को थोड़ा तोड़-मरोड़कर पेश करते हैं, लेकिन शादी के बाद जब असलियत सामने आती है, तब शुरू होता है हँसी और ड्रामे से भरपूर असली बवाल। अलग-अलग स्वभाव, छुपे हुए राज़ और दखल देने वाले रिश्तेदार उनकी शादीशुदा ज़िंदगी को एक रोलर-कोस्टर में बदल देते हैं। छोटे शहरों की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म ऐसे समाज को खूबसूरती से दर्शाती है जो बदलाव के दौर से गुजर रहा है। एक ओर नई पीढ़ी आधुनिक सपनों और महत्वाकांक्षाओं को अपनाना चाहती है, वहीं दूसरी ओर परंपराओं और सामाजिक अपेक्षाओं की जकड़न से पूरी तरह मुक्त हो पाना आसान नहीं है। यही द्वंद्व फिल्म को कई ऐसे पल देता है, जो हास्यपूर्ण, भावनात्मक और बेहद सहज महसूस कराने वाले हैं। जहाँ अविनाश और मेधा अपने मुख्य किरदारों में शानदार प्रदर्शन करते हैं, वहीं फिल्म की ताकत इसकी प्रभावशाली सहायक कलाकार मंडली भी है। हर कलाकार ने अपनी भूमिका को यादगार बनाया है और कहानी को और अधिक जीवंत तथा विश्वसनीय बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अविनाश तिवारी ने कहा, गिन्नी वेड्स सनी 2 मेरे लिए एक मज़ेदार और रोमांचक सफर रहा है। मेधा शंकर ने कहा, गिन्नी एक ज़िदादिल, आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी लड़की है, जो अपने दिल और दिमाग की बात बखूबी जानती है।

बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने ट्रीटमेंट अप्रोच के जरिए फर्टिलिटी केयर को बनाया बेहतर

प्रयागराज, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों के कपल्स को फर्टिलिटी केयर उपलब्ध करते हुए तीन वर्ष पूरे किए हैं। इन वर्षों में सेंटर ने फर्टिलिटी हेल्थ को लेकर जागरूकता में बदलाव देखा है। अब अधिक कपल्स समय पर मेडिकल जांच और ट्रीटमेंट के लिए आगे आ रहे हैं। सेंटर पर ऐसे कपल्स भी आते हैं, जिनका पहले कई आईवीएफ साइकल के बाद भी ट्रीटमेंट सफल नहीं हुआ है। पिछले तीन वर्षों में प्रयागराज सेंटर ने पीएमओएस, कम स्पर्म काउंट, फैलोपियन ट्यूब में ब्लॉकेज, एंडोमेट्रियोसिस, बिना स्पष्ट कारण के इन्फर्टिलिटी और एजूस्पर्मिया जैसी कई फर्टिलिटी कंडीशंस के मामलों का इलाज किया है। पुरुषों से जुड़े फर्टिलिटी फैक्टर भी सेंटर के काम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। इनमें सीवियर ओलिगोएस्थेनोटेराटोजूस्पर्मिया और एजूस्पर्मिया जैसे मामले शामिल हैं। कम ओवेरियन रिजर्व, एंडोमेट्रियोमा और पहले आईवीएफ ट्रीटमेंट सफल न होने वाले मामलों में भी कपल्स को उनकी मेडिकल स्थिति के अनुसार ट्रीटमेंट उपलब्ध कराया जाता है। हाल ही में प्रयागराज सेंटर में एक 39 वर्षीय महिला का इलाज किया गया, जिन्हें सेकेंडरी इन्फर्टिलिटी की समस्या थी।

सात साल बाद भी नहीं बना स्वरूपरानी अस्पताल का चिल्ड्रन विंग, हाईकोर्टने जतायी नाराजगी

कोर्टमें हुआ तमाशा,एमडी और ठेकेदार एक-दूसरेपर लगाते रहे आरोप

(विधि संवाददाता)

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल से संबद्ध मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज के २०० बेड के चिल्ड्रन वि-ंग का निर्माण ७ साल बाद भी पूरा न होने पर गहरी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि शहर के बच्चों के इलाज के लिए बन रहा अस्पताल इतने साल बाद भी बन कर तैयार नहीं हो सका।

डा. अरविंद गुप्ता की याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने की।मुख्य सचिव, यूपी सरकार का दूसरा हलफनामा और प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग का १६वां हलफनामा दाखिल किया गया। इसमें बताया गया कि स्वास्थ्य विभाग को आवंटित जमीन पर खड़े २१ सरका-री बंगलों को ध्वस्त करने का प्रस्ताव १३अक्टूबर २०२६ को कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा गया है।पिछली तारीख के आदेश पर यूपी सिडको के मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव सिंह कोर्ट में हाजिर हुए। उनके वकील विवेक प्रसाद माथुर ने उनकी पहचान की।मेसर्स आर सी बी इंफ्राकान्स प्रा लि की ओर से इंटरवेंशन एप्लीकेशन दाखिल की गई। कंपनी के डायरेक्टर रोहित अवस्थी भी कोर्ट में हाजिर हुए।

एम डी ने कोर्ट में कहा कि ठेकेदार ने डिफॉल्ट किया और उन्हें अंधेरे में रखा। पहले उन्होंने ३० सितंबर २०२६ तक सभी ६ लिफ्ट लगाकर पूरा चिल्ड्रन विंग हैंडओवर करने का आश्वासन दिया था, लेकिन वह पूरा नहीं हुआ, इसलिए उन्हें तलब करना पड़ा।ठेकेदार के वकील उदय चंदानी ने कहा कि सिविल वर्क पूरा हो चुका था, लेकिन अगस्त २०२५ में विभाग ने अतिरिक्त काम लिफ्ट लगाने और अन्य इलेक्ट्रिकल वर्क करने को कहा। विभाग ने चिट्ठी दी, ठेकेदार ने स्वीकार कर लिया, लेकिन एल ओ आई जारी नहीं हुई और ठेकेदार काम करता रहा।

ठेकेदार रोहित अवस्थी ने कहा कि विभाग ने कुछ पेमेंट नहीं किया और मौखिक रूप से काम करने को कहा गया। कोर्ट ने पूछा कि बिना एल ओ आई के क्यों स्वीकार किया, तो कोई ठोस जवाब नहीं दे पाए। उन्होंने बताया कि कंपनी को कल रात ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है, इसलिए काम नहीं हो पा रहा।

रोहित अवस्थी ने कोर्ट में आश्वासन दिया कि यदि काम करने दिया जाए तो २९अक्टूबर २०२६ तक दो और लिफ्ट लगा देंगे और बाकी दो लिफ्ट अगले १५-२० दिन में लगा देंगे। साथ ही केबल बिछाने, फायर एक्सटिंग्विशर और खिड़की के शीशे का काम अगली तारीख तक पूरा कर देंगे। बाहरी दीवारें बारिश से गीली हैं, सूखने पर फाइनल कोट और पेंट कर देंगे।अवस्थी ने कहा कि यदि ब्लैकलिस्टिंग आदेश को स्थगित रखा जाए तो वह काम जारी रखेंगे और १५ दिन में पूरा करने की कोशिश करेंगे। पेमेंट का विवाद वह विभाग से अलग उठाएंगे लेकिन काम नहीं रोकेंगे।एम डी संजीव सिंह ने जवाब में कहा कि ठेकेदार ने जानबूझकर मामला लटकाया है। लगभग पूरा भुगतान हो चुका है, सि-र्फ ५० लाख रुपये रिजर्व फंड में रोका गया है, जबकि पूरे प्रोजेक्ट की लागत करीब ३० करोड़ है। विभाग ने ओ टी आई एस कंपनी से संपर्क किया, लेकिन वह भी लिफ्ट सप्लाई की टाइमलाइन नहीं दे पा रही। उन्हें भरोसा नहीं कि ठेकेदार १५ दिन में २ लिफ्ट भी लगा पाएगा।

न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने कहा कि -'मैं यह देखकर हैरान हूं कि किस तरह एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और उसका ठेकेदार खुले कोर्ट में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं।

यह बिल्डिंग पिछले सात साल से बन रही है, जो प्रयागराज शहर के लोगों की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने के लिए है।''मैं पिछले डेढ़ साल से इस केस की मॉनिटरिंग कर रहा हूं, लेकिन दोनों ने ही राज्य सरकार को इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में निराश किया है। यह सिर्फ २०० बेड की बिल्डिंग है जो शहर के बच्चों के इलाज के लिए बननी थी। कोर्ट ने ठेकेदार को एक मौका देते हुए १५ दिन का समय दिया है दो और लिफ्ट लगाने, केबल बिछाने, फायर एक्सटिंग्विशर और खिड़की-शीशे लगाने का काम पूरा करने के लिए।

कोर्ट ने १५ दिन के लिए कंपनी का ब्लैक लिस्टिंग आदेश स्थगित कर दिया है। याचिका की सुनवाई २९अक्टूबर,२०२६ को दोपहर दो बजे होगी। उस दिन एम डी और ठेकेदार रोहित अवस्थी दोनों कोर्ट में हाजिर रहेंगे और किए गए प्रयासों का हलफनामा दाखिल करेंगे।

अलोपीबागमें मां काली की प्राकट्य लीला, दारागंजमें नृत्य प्रदर्शन

सड़कोंपर मां कालीके रौद्ररूपके दर्शनके लिए जुटे रहे श्रद्धालु

श्री दारागंज रामलीला कमेटी की ओर से पांच दिवसीय मां काली के रौद्र रूप के प्रदर्शन के तीसरे दिन बुधवार रात अलोपीबाग स्थित लीला मैदान मां काली के प्राकट्य लीला का प्रदर्शन हुआ। मां काली का रौद्र रूप देखकर बच्चों के साथ बुजुर्ग भी सहम गये। मां काली अलोपीबाग से होते हुए गल्लामंडी तक नृत्य करते हुए चलीं और फिर मां काली भगवान की सवारी के साथ दारागंज में माधव पहलवान के आवास डा. प्रभात शास्त्री मार्ग पर पहुंचतीं है।

वहां फिर मां का श्रृंगार के साथ पू-जन-अर्चन के बाद मां फिर अपने रौद्र रूप में आ जाती है। मां का रौद्ररूप देख भक्त नींबू, जायफर और नारियल की बलि देने लगते हैं। जिसके बाद लोहबान की खुशबू और ढोल नगाड़ों की थाप पर मां काली के रौद्र प्रदर्शन शुरू होता है। जो निराला मार्ग से माधव मंदिर, पंडित धर्मराज पाण्डेय चौराहा, बड़ी कोठी से बक्शी त्रिमुहानी पहुंचकर समाप्त हो जाता है।

इस दौरान सड़क पर घरों की छतों पर मौजूद भक्तों मां काली पर पुष्पवर्षा कर आशीर्वाद की कामना की। इससे पूर्व प्राचीन रामलीला कमेटी दारागंज में भगवान की सवारी श्रृंगार भवन से निकलकर जीटी रोड होते हुए अलोपीबाग लीला मैदान पहुंची। वहां पर लीला संयोजक पंडित सियाराम शास्त्री के निर्देशन में सर्वप्रथम सूर्पनखा की नाक काटने की लीला होती है माता सीता के रूप में मां काली प्रकट होती हैं खर दूषण राक्षस का वध करती हैं।

इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष कुल्लू यादव, महामंत्री जितेंद्र गौड़, मीडियाप्रभारी तीर्थराज पांडेय बच्चा भैया, राजू, पंचू यादव, अरविंद पाण्डेय, गोनू पहलवान, मुन्ना आजाद, संजय पाठक, राजा मिश्रा, शिबू सोनी, पवन यादव आदि मौ-जूद रहे।



परीक्षा नियामक प्राधिकारीके सचिवको हार्ड डिस्कके साथ पेश होनेका निर्देश

हाईकोर्टने कहा-जांचसे पहले यह जरूरी

(विधि संवाददाता)

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यूपी टेट २०१३ के आवेदन में संदेहास्पद सामग्री मिलने पर गंभीर रुख अपनाते हुए परीक्षा नियामक प्राधिकारी, प्रयागराज के सचिव को हार्ड डिस्क के साथ पेश होने का निर्देश दिया है।न्यायमूर्ति श्रीमती मंजू रानी चौहान ने अरूण कुमार की याचिका पर यह आदेश दिया। दीपेन्द्र कुमार, रजिस्ट्रार, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, प्रयागराज ने टेबुलेशन रजिस्टर व डाउनलोडेड आवेदन फॉर्म और अरुण प्रताप सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी, संत कबीर नगर ने चयन कार्यवाही के रिकार्ड कोर्ट में पेश किए।कोर्ट ने पाया कि इसमें संदेह पैदा करने वाली सामग्री है।कहा कि मामले में उचित जांच की आवश्यकता है, लेकिन जांच से पहले सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, प्रयागराज को अगली तारीख पर यूपी टेट २०१३ के फाइनल आवेदन वाली हार्ड डिस्क के साथ कोर्ट में उपस्थित रहने का निर्देश दिया।और अगली सुनवाई की तिथि ४नवंबर तय की।

प्रदर्शन मार्गपर निर्माण कार्य छोड़कर ठेकेदार भागा

दारागंज में मां काली के प्रदर्शन मार्ग यानी निराला मार्ग पर चल रहे रोड पटरी का निर्माण अधूरा छोड़कर ठेकेदार भाग गया। जिसकी जानकारी होने पर क्षेत्रीय पार्षद अनुपमा पांडेय ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस गंभीर मामलने को महापौर और नगर आयुक्त से दोषियों के खिलाफ जांच करा कर कड़ी से कड़ी काररवाई करायी जाय-गी। कमेटी के पदाधिकारियों ने कहा कि तीन दिन तक मां काली के रौद्ररूप का प्रदर्शन अभी होना है। मां काली प्रर्दशन को देखने के लिए सैलाब उमड़ रहा है। ऐसे में रोड पटरी का काम अधूरा होने से घायल होने का खतरा बना हुआ है। मांग की अविलंब आधे अधूरे कार्य को गुणवत्ता के साथ क-राया जाय, जिससे लोगों के साथ कोई घटना न घटित हो।

वक्फ जमीन फर्जीवाड़े में पुलिस पर उठे सवाल

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में करोड़ों की वक्फ संपत्तियों को फर्जीवाड़े के जरिए गलत तरीके से बेचे जाने का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है. इस मामले में जयपुर पुलिस ने मास्टरमाइंड नासिर खान सड़वा पर ईनाम की रकम पांच हजार से बढ़ाकर पचीस हजार कर दी है, हालांकि पिछले सवा सालों में छह नामजद समेत 27 आरोपियों में से सिर्फ एक को छोड़कर बाकी किसी की गिरफ्तारी नहीं होने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं. इस बीच वक्फ की जमीनें जिन गरीब लोगों को औने पौने दामों में बेची गई, उनके आशियाने पर भी खतरे के बादल मंडराने लगे हैं. दर्जनों पीड़ित लोगों ने इस मामले में सीएम भजनलाल शर्मा समेत ऊंचे ओहदों पर बैठे दूसरे लोगों से इंसाफ की गुहार लगाते हुए आशियानों पर बुलडोजर नहीं चलने और जमीनों से बेदखल नहीं किए जाने की गुहार लगाई है.कई गरीबों के आशियाने पर खतरे के बादल इसलिए भी मंडरा रहे हैं, क्योंकि वक्फ प्रॉपर्टी वाले ट्रस्ट ने नगर निगम और जयपुर विकास प्राधिकरण समेत अन्य लोगों को पत्र भेज कर जमीनों पर कब्जा कर अवैध निर्माण करने की शिकायत की है और बुलडोजर के जरिए बेदखल किए जाने की अपील की है. आशियाना बचाने और मास्टरमाइंड समेत दूसरे आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर अब अदालत का दरवाजा खटखटाने की भी तैयारी है. इस बीच वक्फ बोर्ड के सीईओ ने किसी भी तरह की खरीद फरोख्त, किराए, इस्तेमाल और गिफ्ट पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी है. आरोप यह भी है कि मास्टरमाइंड नासिर खान सड़वा समेत अन्य आरोपी इनाम घोषित होने के बावजूद न सिर्फ खुलेआम घूम रहे हैं, बल्कि गवाहों और पीड़ितों को धमका भी रहे हैं और रसूख का इस्तेमाल कर जांच बदलवाने की भी तैयारी में हैं. वक्फ संपत्ति पर जिस अचरोल सोसाइटी द्वारा पैसे लेकर पट्टो का अलॉटमेंट किए जाने का दावा किया गया था, उसने भी मास्टरमाइंड नासिर के दावों को खारिज करते हुए इस मामले से सीधे तौर पर पल्ला झाड़ लिया है.यह मामला जयपुर के रामगढ़ रोड स्थित जामिया तुल हिदाया ट्रस्ट की बेशकीमती वक्फ संपत्ति से जुड़ा हुआ है. ट्रस्ट के पास अस्सी बीघा से ज्यादा जमीन है. इस ट्रस्ट में मोहम्मद जियाउर रहीम ट्रस्टी के साथ ही यहां संचालित होने वाले मदरसे के वाइस प्रिंसिपल भी थे. आरोप है कि उन्होंने कुछ सालों पहले चोरी छिपे फर्जी कागजात के जरिए जमीन का कारोबार करने वाले नासिर खान सड़वा व अन्य लोगों के साथ मिलकर वक्त संपत्तियों को गलत तरीके से बेचना शुरू कर दिया. ट्रस्ट को इसकी जानकारी तब हुई जब जमीन खरीदने वालों ने वहां निर्माण शुरू किया. ट्रस्ट ने इस मामले में क्रिमिनल केस दर्ज करने के लिए जयपुर पुलिस में शिकायत की. पुलिस ने केस दर्ज करने से मना किया तो अदालत में गुहार लगाई गई. कोर्ट के दखल पर इस मामले में पिछले साल एक जुलाई को जयपुर के जयसिंहपुरा खोर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया. कोर्ट के दखल पर पुलिस ने केस तो दर्ज कर लिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की। मुख्य आरोपी मोहम्मद जियाउर रहीम को गिरफ्तार किया गया, लेकिन वह कुछ ही दिनों में जमानत पर बाहर आ गया. इस मामले में छह लोगों के खिलाफ नामजद केस दर्ज हुआ था, जबकि 21 अन्य आरोपियों के नाम भी जांच के दौरान सामने आए.

दुर्गा पण्डालोंकी नियमित जांच करेगी बिजली विभागकी टीम

दुर्गा पूजा पण्डालों की नियमित रूप से विद्युत उपकेन्द्र से जुड़े इलाकों में बिजली विभाग की टीम नियमित रूप से जांच करेंगे। दुर्घटनाओं के मद्देनजर पण्डालों के कनेक्शन प्वाइंट को चिन्हित कर कर्मचारी रोजाना जांच कर रहे हैं। इसमें बिजली के उपकरणों को दुरूस्त कर बिजली तारों को कसे जा रहे हैं। बिजली विभाग के अधिकारियों ने निरंतर निगरानी के निर्देश दिये हैं। बिजली विभाग के अधिकारियों के मुताबिक कमेटियों से अत्यधिक लोड का इस्तेमाल न किये जाने की अपील की जा रही है। यदि अधिक लोड का इस्तेमाल किया जाता है इसकी सूचना कमेटी के पदाधिकारी विद्युत उपकेन्द्र पर तत्काल दें, जि-ससे अतिरिक्त इंतजाम किये जा सके।

यही नहीं कमेटियों के साथ बैठक के दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों सुरक्षा पर चर्चा किया। पूजा स्थलों पर सजावट के लिए लगाये जाने वाले अस्थायी बिजली कनेक्शन में निर्धारित सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिये गये। बिजली कर्मियों को संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण कर खामियों को दूर करने लिए कहा गया। ताकि श्रद्धालुओं और आम लोगों को किसी तरह के खतरे का सामना न करना पड़े।

गाली देनेका विरोध करनेपर दुकानदारको पीटा

जार्जटाउन थाना क्षेत्र में कुंदन गेस्ट हाउस के पास गाली-गलौज का विरोध करने पर दुकानदार को पीटने का मामला सामने आया है। पीड़ित ऋषभ भारतीय ने पड़ोस में दुकान चलाने वाले रजत पासी और सुजीत पासी उर्फ भोला पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करायी है।

फतेहपुर बिछुआ निवासी ऋषभ के ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह अपनी दुकान पर था। इसी दौरान पड़ोस में दुकान चलाने वाले दोनों आरोपित उससे गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने मारपीट की, जिससे उसे चोटें आईं। शोर मचाने पर आसपास के लोग जुटने लगे तो आरोपित जान से मा-रने की धमकी देते हुए चले गए। पीड़ित ने १३ अक्टूबर को जार्जटाउन थाने में तहरीर देकर आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। जार्जटाउन पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गयी है।

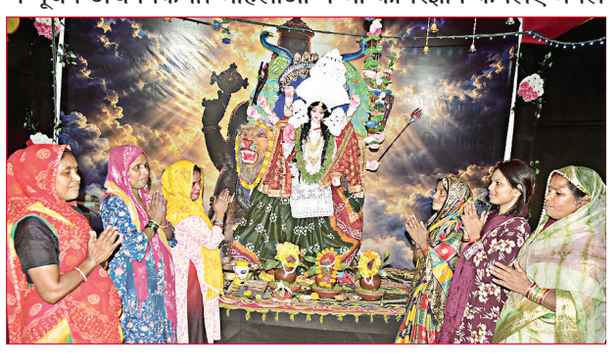
युवकको घेरकर लाठी-डंडोंसे पीटा, जख्मी

एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के पीपलगांव में ट्रिपलआईटी चौराहे के पास युवक को घेरकर लाठी-डंडों से पीटने का मामला सामने आया है। हमले में युवक के सिर में गंभीर चोट आई है। पीड़ित ने महेंद्र पाल और अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर देकर एफआईआर दर्ज करायी है।

पीपलगांव निवासी दीपक की ओर से एयरपोर्ट थाने में दी गई तहरीर में बताया कि १२ अक्तूबर की शाम करीब ६:५५ बजे महेंद्र पाल और कुछ अज्ञात लोगों ने रास्ते में उसे घेर लिया। आरोप है कि सभी ने एकजुट होकर लाठी-डंडों से मा-रपीट की। इस दौरान जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज भी की गई। हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। एयरपोर्ट पुलिसका कहना है कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पण्डालोंमें श्रद्धालुओंने की मां दुर्गाकी आराधना

नवरात्र के प्रथम दिन से ही नगर के कई दुर्गा पूजा पण्डालों में विराजीं मा जगदम्बा की आराधना श्रद्धाल कर रहे हैं। बुधवार को मां के कूष्मांडा स्वरूप का पूजन श्रद्धालुओं ने किया। इस दौरान मां की आराधना करते हुए श्रद्धालुओं ने परिवार के लिए सुख समृद्धि की कामना की। पण्डालों में स्थापित घट का श्रद्धालुओं ने पूजन अर्चन किया। महिलाओं ने मां को रिझाने के लिए मंगल



गीत गाये। बता दें कि रविवार को शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन मां दुर्गा की प्रतिमा कई जगह पूजा पण्डालों में स्थापित की गयी। प्रतिमा स्थापित होने के बाद मोहल्ले के लोगों ने पण्डालों में ही कलश भी स्थापित कर पूजन अर्चन किया। छोटा बघाड़ा, मुट्ठीगंज स्थित गुड़मंडी, परेड, दारागंज स्थित कुशवाहा कालोनी सहित अन्य सजे पण्डालों में मां की आराधना की गयी। बता दें कि बारवारी कमेटियों की ओर से नगर में सजे दुर्गा पण्डालों में १६ से मां दुर्गा की प्रतिमाओं को स्थापना शुरू हो जायेगी।

पृष्ठ एक का शेष

पीडीए...

विश्वकर्मा, महापौर अशोक तिवारी, विधायक नीलकंठ तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव, त्रिभुवन राम, सुनील पटेल, डॉ. अवधेश सिंह, विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया, जिलाध्यक्ष रामसकल पटेल, महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि आदि मौजूद रहे।

जंतर-मंतरपर तिरंगा...

सूची से हटाने के केंद्र सरकार के फैसले का विरोध करते हुए कहा कि यह जगह देश के लोगों की है और इसे वापस हासिल किया जाएगा। मालूम हो कि जंतर-मंतर में बिना अनुमति प्रवेश करने के आरोप में सीजेपी नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास समेत 14 लोगों को हिरासत में लिया गया था। बाद में रांका और दास को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, नेताओं ने बैरिकेड और गेट फांदकर परिसर में प्रवेश किया तथा तिरंगा लहराकर नारे लगाए। पुलिस ने इसे उनकी जमानत की शर्तों का उल्लंघन बताया। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने राहुल गांधी के समर्थन के लिए आभार जताया। आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल, तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी, डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन और शिवसेना यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने भी सीजेपी नेताओं की गिरफ्तारी की निंदा की है।

छात्रोंकी...

दबाया नहीं जा सकता। राहुल ने कहा कि इस विरोध में न धर्म का भेद है, न जाति का और न ही महिला-पुरुष का। उन्होंने छात्रों से घटनाओं के वीडियो सबूत के तौर पर सुरक्षित रखने और उन्हें भेजने की अपील की। उन्होंने कहा कि मामला समाप्त होने पर इन सबूतों के आधार पर प्रधानमंत्री मोदी, ज्ञानेश कुमार, अमित शाह या छात्रों पर हाथ उठाने वाले पुलिसकर्मियों सहित दोषियों को सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने दिल्ली पुलिस पर कई आरोप भी लगाए।

दुनियाभर...

मोदी ने यह भी कहा कि दूसरे देशों में मौजूद भारत की प्राचीन धरोहरों को वापस लाने के प्रयासों को नई गति मिली है। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 14 से 16 अक्तूबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसका आयोजन संस्कृति मंत्रालय के तहत आने वाला इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) कर रहा है। सम्मेलन में भारत की सांस्कृतिक विरासत और देश के दूसरे समाजों व सभ्यताओं के साथ उसके संबंधों पर चर्चा हो रही है। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री का लिखित संदेश केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल ने पढ़कर सुनाया।

एसआईआर...

फैसलों पर आपत्ति जताई, जिन्हें कथित तौर पर उनकी मंजूरी के बिना लिया गया था। याचिका में %रिपोर्टर्स कलेक्टिव% की पड़ताल का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए दाखिल 87,127 फॉर्म-7 आवेदनों में से 85,854 कथित तौर पर स्वचालित रूप से तैयार किए गए थे और उनमें नाम हटाने के कारणों का उल्लेख नहीं था। गोवा में भी 97 पात्र मतदाताओं के नाम बहाल नहीं किए जाने का मुद्दा उठाया गया है। ओवैसी ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित 2023 के कानून के कथित उल्लंघन का मुद्दा भी उठाया है। याचिका में कहा गया है कि नए खुलासों से एसआईआर पर फैसले में भरोसा किए गए वैधानिक सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े होते हैं।

मुस्कान...

को पेश किया गया। जब अदालत ने मुस्कान की आंखों में आंखें डालकर सीधा सवाल दागा-%तुम अपने पति की हत्या की दोषी साबित हो चुकी हो, अपने लिए क्या सजा चाहती हो ?इस सवाल पर जिस औरत के हाथ अपने ही सुहाग की गर्दन काटते वक्त नहीं कांपे थे, वह सलाखों के पीछे थरथरा उठी। उसने ममता का झूठा चोला ओढ़ते हुए गिड़गिड़ाकर कहा-%मेरी दोनों बेटियां बहुत छोटी हैं, उनका ख्याल रखा जाए... मुझे कम से कम सजा दी जाए।% इतना कहते ही उसकी जुबान लड़खड़ा गई और वह सिर झुकाकर सन्नाटे में डूब गई।इसके बाद जब अदालत ने उसके हमदर्द और जुर्म के साझीदार साहिल से पूछा, तो उस खूंखार आशिक की हेकड़ी भी पूरी तरह हवा हो चुकी थी। साहिल ने भी कांपती आवाज में सिर्फ इतना ही कहा-%साहब, कम से कम सजा दीजिए। इसके बाद अदालत कक्ष में केवल खौफजदा सन्नाटा पसरा रहा। जिस प्रेमी जोड़े ने मिलकर एक इंसान की जिंदगी के टुकड़े-टुकड़े कर दिए, वे आज कानून के खौफ से कांप रहे थे। लेकिन अदालत में मृत्यु दंड दिया।

ईडीने...

प्रावधानों से संबंधित थी। ये बट्टे खाते में डाले गए धन ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स (बीवीआई) और केमैन आइलैंड्स की कंपनियों में किए गए विदेशी निवेश और अग्रिम से संबंधित थे।ईडी के अनुसार, रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज लिमिटेड (जो बाद में आरपीएल में विलय हो गई) ने 2006 में 300 मिलियन डॉलर के विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉन्ड जुटाए। इसमें से 275 मिलियन डॉलर का निवेश उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सिंगापुर सहायक कंपनी रिलायंस नेचुरल रिसोर्सेज (सिंगापुर) प्राइवेट लिमिटेड (आरएनआरएल-एस) में किया गया। आरएनआरएल-एस ने इन निधियों को डॉयचे बैंक (सुइस) एसए, जिनेवा में जमा किया। इन जमाओं का उपयोग ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स में निगमित संस्थाओं को दिए गए ऋणों के लिए गिरवी के रूप में किया गया।जांच में सामने आया कि ये बीवीआई संस्थाएं रिलायंस अनिल अंबानी समूह द्वारा भारत से नियंत्रित और प्रबंधित की जा रही थीं। ईडी ने दावा किया कि मुखौटा व्यक्तियों ने समूह के निर्देशों के अनुसार कार्य किया। एजेंसी की जांच में यह भी सामने आया कि ऋण आय का उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया गया। इसमें मॉरीशस स्थित विदेशी संस्थाओ